दो कुल की नाम निशान बेटिया होती है भजन लिरिक्स

दो कुल की नाम निशान,
बेटिया होती है,
हर माता पिता की शान,
बेटीया होती है।bd।

खेल खेलती भैया संग,
बहना बन जाती है,
पिले हाथ कर पति संग,
वो पत्नी बन जाती है,
जाती है ससुराल वहाँ,
गृहणी बन जाती है,
जन को जन करती है,
वह जननी बन जाती है,
इंसान पे एक एहसान,
बेटिया होती है,
हर माता पिता की शान,
बेटीया होती है।bd।

कही पे दुर्गा,
कही पे दुर्गावती कहाती है,
लक्ष्मी का है रूप स्वयं,
कही लक्षमीबाई है,
राम की सीता,
कृष्ण की गीता,
शारदा माई है,
लगन कही लग जाये,
तो बनती मीरा बाई है,
शक्ति भक्ति मैं महान,
बेटिया होती है,
हर माता पिता की शान,
बेटीया होती है।bd।

जैसे मान सम्मान बिना,
मेहमान अधूरा है,
वैसे कन्या दान बिना,
हर दान अधूरा है,
जीवन को पावन,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

राखी त्योहार अधूरा है,
बेटी नहीं है जिस घर में,
परिवार अधूरा है,
'माखन' चित चोर महान,
बेटिया होती है,
हर माता पिता की शान,
बेटीया होती है।bd।

दो कुल की नाम निशान,
बेटिया होती है,
हर माता पिता की शान,
बेटीया होती है।bd।

स्वर – पं विनोद महाराज।
प्रेषक – दुर्गा प्रसाद पटेल।
9713315873

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com